भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 2547#
गुरूवार, 24 मार्च, 2022/3 चैत्र, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटकों का आगमन

2547#. श्री सुशील कुमार मोदीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2017-18, वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 के दौरान भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों के राज्य-वार आंकड़े क्या हैं;

(ख) उक्त तीन वर्षों के दौरान पर्यटन के माध्यम से वर्ष-वार कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है;

(ग) बिहार के बोधगया में कन्वेंशनल सेंटर हेतु कितनी राशि निर्गत की गई है और इस पर हुई वास्तविक और वित्तीय प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा बौद्ध स्थलों पर जाने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ाने हेतु क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क): कैलेंडर वर्ष 2017 से 2020 के दौरान विदेशी पर्यटकों की यात्राओं (एफटीवी) का राज्य-वार विवरण **अनुबंध-I** पर दिया गया है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार विदेशी पर्यटकों की यात्राओं (एफटीवी) पर वित्त वर्ष-वार आंकड़े नहीं रखता है।

(ख): कैलेंडर वर्ष 2017 से 2020 के दौरान भारत में पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय (एफईई) का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग): स्वदेश दर्शन योजना के तहत, बिहार के बोधगया में कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए 98.73 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसमें से 93.22 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई और 90.51 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया था। इसके अलावा, परियोजना वास्तविक रूप से पूरी हो गई है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने देश में 'स्वदेश दर्शन', तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन बुनियादी संरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत बौद्ध स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए एक विषयगत परिपथ के रूप में 'बौद्ध परिपथ' की पहचान की गई है। बौद्ध विषयगत परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:-

- वर्ष 2016-17 के दौरान मध्य प्रदेश में सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का 74.02 करोड़ रुपये की राशि से विकास।
- वर्ष 2016-17 के दौरान उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का 99.97 करोड़ रुपये की राशि से विकास।
- वर्ष 2016-17 के दौरान बिहार के बोधगया में 98.73 करोड़ रुपये की राशि से कन्वेंशन सेंटर का निर्माण।
- वर्ष 2017-18 के दौरान गुजरात में जूनागढ़-गिर सोमनाथ-भरूच-कच्छ-भावनगर-राजकोट-मेहसाणा का 26.68 करोड़ रुपये की राशि से विकास।
- वर्ष 2017-18 के दौरान 24.14 करोड़ रुपये की राशि से आंध्र प्रदेश में शालिहुंडम-थोटलाकोंडा-बाविकोंडा-बोज्जानकोंडा-अमरावती-अनुपु का विकास।

प्रसाद योजना के तहत स्वीकृत बौद्ध कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:-

i. अन्य बातों के साथ-साथ वाराणसी -I के एकीकृत विकास के लिए निम्नलिखित दो घटकों सहित बौद्ध संरचनाओं के विकास के लिए 9.5 करोड़ रुपए प्रदान किए गए:
   - 734 लाख रुपये की लागत से धमेक स्तूप पर ध्वनि और प्रकाश प्रदर्शन।
   - बुद्ध थीम पार्क, सारनाथ के लिए 220 लाख रुपये की अनुमोदित लागत।

ii. बौद्ध धर्म से संबंधित अमरावती टाउन, गुंटूर जिले का, अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित घटकों सहित 1.33 करोड़ रुपये की लागत पर एक पर्यटन स्थल के रूप में विकास:
   - 62.25 लाख रुपये की स्वीकृत लागत पर महाचैत्य स्तूप और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संग्रहालय।
   - 70.44 लाख रुपये की स्वीकृत लागत पर ध्यान बुद्ध स्थल का विकास।

iii. वर्ष 2020-21 में, 33.32 करोड़ रुपए की लागत से युकसोम, सिक्किम में चार संरक्षक संतों की तीर्थयात्रा सुविधा का विकास।

'पर्यटन की बुनियादी संरचना के विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजना के तहत, 'वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों पर रोशनी (सारनाथ में धामख स्तूप सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और बनारस में मान महल)' के लिए 2014-15 में 5.12 करोड़ रुपए की राशि से एक परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई थी।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन संबंधी बुनियादी संरचना के विकास के अलावा, अत्यधिक बौद्ध आबादी वाले देशों सहित विदेशी बाजारों में बौद्ध स्थलों के प्रचार और विपणन के लिए किए गए प्रयास इस प्रकार हैं:-

- पर्यटन मंत्रालय ने भारत में बौद्ध स्थलों के संवर्धन के लिए फिल्मों का निर्माण किया है।
- अतुल्य भारत 2.0 अभियान के हिस्से के रूप में बौद्ध साइट क्रिएटिव का उपयोग किया जा रहा है।
- पर्यटन मंत्रालय ने बौद्ध स्रोत बाजारों में टीवी, प्रिंट और डिजिटल मीडिया अभियान जारी किए हैं।
- पर्यटन मंत्रालय विभिन्न स्रोत बाजारों से टूर ऑपरेटरों, मीडिया, राय निर्माताओं और बौद्ध भिक्षुओं की भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन (आईबीसी) का आयोजन करता है।
- विदेशी बाजारों में भारतपर्यटन कार्यालय नियमित रूप से कई यात्रा और पर्यटन मेलों/ प्रदर्शनियों/ एक्सपोस में भाग लेते हैं, जिसमें भारत के बौद्ध स्थलों को बड़ी संख्या में आयोजन में आए आगंतुकों के बीच प्रचारित किया जाता है।
- आसियान देशों में रोड शो आयोजित किए गए जिनमें भारत की बौद्ध विरासत पर प्रकाश डाला गया।
- पर्यटन मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय की अतुल्य भारत वेबसाइट पर बौद्ध स्थलों का संवर्धन करता है।
- पर्यटन मंत्रालय ने भारत में समृद्ध बौद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए www.indiathelandofbuddha.in वेबसाइट विकसित की है।

******

अनुबंध-I

विदेशी पर्यटकों का आगमन के संबंध में दिनांक 24.03.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 2547# के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

कैलेण्डर वर्ष 2017 से 2020 के दौरान राज्य-वार विदेशी पर्यटक दौरे (एफटीवी)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2017	2018	2019	2020
		एफटीवी	एफटीवी	एफटीवी	एफटीवी
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	15313	15242	16206	5412
2	आंध्र प्रदेश	271362	281083	280356	67591
3	अरुणाचल प्रदेश	7147	7653	7825	961
4	असम	21760	15592	26878	7285
5	बिहार	1082705	1087971	1093141	308080
6	चंडीगढ़	31832	39681	44132	12218
7	छत्तीसगढ	6701	14399	6817	2322
8	दादरा और नगर हवेली	1908	1608	1666	222
9	दमन और दीव	5535	5694	5703	1382
10	दिल्ली #	2740502	2740502	2983436	681230
11	गोवा	842220	933841	937113	302751
12	गुजरात	448853	513113	595607	210047
13	हरियाणा	193381	73977	48046	17474
14	हिमाचल प्रदेश	470992	356568	382876	42665
15	जम्मू और कश्मीर	79765	139520	57920	5317
16	झारखंड	170987	175801	176043	490
17	कर्नाटक	498148	543716	608754	165325
18	केरल	1091870	1096407	1189771	340755
19	लक्षद्वीप	1027	1313	820	413
20	मध्य प्रदेश	359119	375476	327958	99819
21	महाराष्ट्र #	5078514	5078514	5528704	1262409
22	मणिपुर	3497	6391	13608	3139
23	मेघालय	12051	18114	25813	2311
24	मिजोरम	1155	967	2249	265
25	नागालैंड	4166	5010	5577	518

26	उड़ीसा	100014	110818	115128	10206
27	पुदुचेरी	131407	141133	149919	92080
28	पंजाब	1108635	1200969	1101343	359114
29	राजस्थान	1609963	1754348	1605560	446457
30	सिक्किम	49111	71172	133388	19935
31	तमिलनाडु	4860455	6074345	6866327	1228323
32	त्रिपुरा	69899	102861	154405	31877
33	तेलंगाना	251846	318154	323326	46694
34	उत्तर प्रदेश	3556204	3780752	4745181	890932
35	उत्तराखंड	133725	151320	152273	41339
36	पश्चिम बंगाल	1574915	1617105	1656145	463285
37	लद्दाख	-	-	38652	1126
	कुल	26886684	28851130	31408666	7171769

स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पर्यटन विभाग,

#: 2017 के आंकड़ों को 2018 के आंकड़ों के लिए दोहराया गया है; 2018 के आंकड़ों पर 2019/18 के लिए अखिल भारतीय विकास दर लागू करके 2019 के आंकड़ों का अनुमान लगाया गया है; 2019 के आंकड़ों पर 2020/19 के लिए अखिल भारतीय विकास दर को लागू करके 2020 के डेटा का अनुमान लगाया गया है।

****

अनुबंध-II

विदेशी पर्यटकों का आगमन के संबंध में दिनांक 24.03.2022 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 2547# के भाग (ख) के उत्तर में **विवरण**

वर्ष 2017-2020 के दौरान भारत में पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय

वर्ष	**पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय (करोड़ रू. में)**
2017#[2]	177874
2018#[2]	194881
2019#[2]	211661
2020#[2]	50136

#2संशोधित अनुमान

******